हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 6 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

13 जुलाई से शुरू होगा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तीसरा चरण

मण्डला। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत की जा रही है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित यह विशेष अभियान आगामी 13 जुलाई से 18 जुलाई तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य ध्येय दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, मध्यप्रदेश की समृद्धि के संकल्प को साकार करना है। अभियान के दौरान विभाग के विशेषज्ञ और मैदानी अमला सीधे पशुपालकों से संपर्क करेंगे और उन्हें डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभदायक बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों से अवगत कराएंगे। अभियान के दौरान स्थानीय मवेशियों की नस्ल में सुधार कर दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने के उपाय। मवेशियों के लिए संतुलित आहार, हरा चारा प्रबंधन और पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ। पशुओं को विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए समय पर टीकाकरण के प्रति जागरूकता। उन्नत तकनीक के माध्यम से बछड़ियों के जन्म को बढ़ावा देने की तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी, जिससे भविष्य में दुग्ध उत्पादन में तेजी से वृद्धि हो सके। पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने जिले के सभी पशुपालकों और किसानों से अपील की है कि वे 13 से 18 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और शासकीय योजनाओं एवं आधुनिक तकनीकों का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएं।

भारी ट्रैफिक से गुजरकर स्कूल पहुंचने को मजबूर छात्र

कटरा में संदीपनी विद्यालय खोलने की मांग

* जनप्रतिनिधियों ने बताई सुरक्षा और आर्थिक बोझ की समस्या।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत कटरा आज व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुकी है। पंचायत क्षेत्र में अनेक निजी संस्थान, अस्पताल और विभिन्न विभागों के शासकीय छात्रावास संचालित हैं। इसके बावजूद यहां माध्यमिक स्तर के बाद शासकीय हाईस्कूल की सुविधा नहीं होने से छात्रावासों में रहने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों को प्रतिदिन 4 से 5 किलोमीटर दूर शहर स्थित शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों तक जाना पड़ता है।

जानकारी के अनुसार कटरा क्षेत्र में लगभग 4 से 5 शासकीय छात्रावास संचालित हैं, जिनमें करीब 3 से 4 सौ विद्यार्थी निवास करते हैं। कक्षा 9वीं से 12वीं तक की पढ़ाई के लिए इन विद्यार्थियों को ऑटो या साइकिल के माध्यम से प्रतिदिन मंडला-जबलपुर मार्ग से आवागमन करना पड़ता है। इस दौरान विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बना रहता है।

ग्राम पंचायत कटरा के सरपंच हरि शंकर मरावी ने बताया कि पंचायत में वर्तमान में केवल प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला संचालित है। हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी स्कूल की व्यवस्था नहीं होने के कारण छात्रावासों में रहने वाले बच्चों को मजबूरी में शहर जाना पड़ता है। अधिकांश विद्यार्थी ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं, इसलिए प्रतिदिन का आवागमन उनके लिए आर्थिक और सुरक्षा दोनों दृष्टि से बड़ी चुनौती है। उन्होंने बताया की छात्रावासों के पीछे पर्याप्त भूमि है जहां विद्यालय बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि शासन एवं संबंधित विभाग कटरा में संदीपनी विद्यालय खोल दे तो छात्रावासों में रहने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर ही शिक्षा मिल सकेगी। इससे बच्चों का समय और धन दोनों बचेंगे तथा व्यस्त मंडला-जबलपुर मार्ग पर रोजाना होने वाले जोखिम से भी उन्हें राहत मिलेगी।

क्षेत्रवासियों ने भी शासन से मांग की है कि जिस प्रकार शहर के अधिकांश शासकीय छात्रावास इसी क्षेत्र में स्थापित किए गए हैं, उसी प्रकार विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कटरा में हायर सेकंडरी स्कूल की सुविधा शीघ्र प्रारंभ की जाए, ताकि गरीब एवं ग्रामीण विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हो सके।

बिछिया में अवैध शराब का बड़ा जखीरा जब्त

* दो आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला आबकारी अधिकारी तथा प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शैली सैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने बिछिया वृत्त में अवैध शराब के विरुद्ध सघन कार्रवाई करते हुए एक घर से भारी मात्रा में देसी शराब बरामद की।

मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी दल ने वार्ड क्रमांक-15, परमाही टोला, बिछिया स्थित एक मकान पर दबिश दी। तलाशी के दौरान घर में मौजूद सुरेंद्र यादव (48 वर्ष) एवं रवि यादव (21 वर्ष) की उपस्थिति में विधिवत जांच की गई। कमरे में पलंग के नीचे छिपाकर रखे गए देसी प्लेन मदिरा के 7 कार्टून बरामद हुए। प्रत्येक कार्टून में 50-50 नग मदिरा होने से कुल 350 नग देसी प्लेन शराब, जिसकी मात्रा 63 बल्क लीटर है, जब्त की गई।

आरोपियों से मदिरा के वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वे कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। धारण क्षमता से अधिक मदिरा का संग्रहण एवं विक्रय के उद्देश्य से रखने पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत लगभग ''35 हजार रुपये'' बताई गई है।

कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी, प्रधान आरक्षक हरे सिंह उइके तथा आरक्षक रघुनाथ उइके, महेश पटेल, कन्हैया उइके सहित समस्त आबकारी अमला उपस्थित रहा। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

स्वर्गीय विनोद परस्ते के परिवार को सचिवों द्वारा 10000 की राशि दी गई

नारायणगंज। कल दिनांक 05/07/2026 को ग्राम पंचायत देवहार जनपद पंचायत नारायणगंज के रोजगार सहायक विनोद परस्ते जी का देहांत हो गया। श्री परस्ते के अंतिम संस्कार के समय ग्राम के लोगों के साथ-साथ क्षेत्र के पंचायत सचिव भी पहुंचे जिन्होंने मृतक के परिवार की आर्थिक स्थिति देखते हुये अपनी ओर से मिलजुलकर 10000 रूपये की सहायता राशि प्रदान की। विडम्बना है कि किसी भी ग्रामीण की अंत्येष्टी के लिये 5000 रूपये की सहायता राशि प्रावधान है लेकिन पंचायत में काम कर रहे रोजगार सहायक के साथ यदि इस तरह की विपदा आती है तो उसके लिये किसी तरह का कोई सहयोग नहीं है और यही कारण है कि सचिव मिलकर नगद 10000 रूपये की सहायता राशि प्रदान की।

गांव-गांव गली हाइवे के होटलों में बिक रही शराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

नगर सहित पूरे भुआबिछिया क्षेत्र में खुलेआम फलफूल रहा विदेशी ओर देशी शराब माफियाओं का कारोबार, महंगे दामों में ठेका लेने के बाद ठेकेदार के गुर्गो ने आस पास ग्रामों की होटल चाय पान के टपरों में शहर से लेकर ग्रामों तक खुलेआम शराब पिलाई जा रही जिससे युवा वर्ग से लेकर ग्रामों के अनेक वर्ग के लोग इससे प्रभावित हैं, ग्रामों में आज भी महिलाएं शराब का विरोध कर रही आज भी अनेक ग्राम ऐसे हैं जहां शराब पूरी तरह बंद है, मगर शराब माफियाओं के गुर्गे प्रशासनिक व्यवस्थाओं को ठेंगा दिखा गांव गांव शराब गाड़ियों से भेज कर वहां की छोटी छोटी दुकानों होटलों में कमीशन का लालच देकर शराब बिकवाई जा रही, नगर को ही ले ले तो NH 30 हाईवे के किनारे ऊमरवाड़ा ओरई होटलों में देर रात तक शराब परोसी जा रही हे, मगर मजाल है कि आबकारी विभाग सहित प्रशासन इस पर कोई कार्यवाही करे। अनेक शराब प्रेमियों से शराब दुकान में होते विवाद की पिछले ठेके से भी ज्यादा दामों क्यों बेची जा रही शराब कुछ लोगों ने विरोध किया तो माफियाओ ने धमका दिया ओर भगा दिया जाता है ओर नहीं तो मारपीट करने पर उतारू हो जाते है। ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर शासन द्वारा निर्धारित मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं की गई है। इसके कारण शराब की बिक्री निर्धारित दरों से अधिक कीमत पर बेची जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का आरोप है कि उपभोक्ताओं से मनमाने दाम वसूलकर अवैध कमाई की जा रही है। आबकारी नियमों के अनुसार, प्रत्येक अधिकृत शराब दुकान पर शासन द्वारा स्वीकृत रेट लिस्ट प्रदर्शित करना अनिवार्य है, ताकि उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि की वसूली न हो सके। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इस व्यवस्था के पालन को लेकर अनेको सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने आबकारी विभाग एवं जिला प्रशासन से अवैध शराब बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

9 मोबाइल एवं चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा तथा एसडीओपी निवास पी.एस. बालरे के मार्गदर्शन में चौकी मनेरी पुलिस ने मोबाइल एवं मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों का सफल खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर लगभग 2.70 लाख रूपये मूल्य की चोरी गई संपत्ति बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

गत लगभग 15 दिनों से चौकी मनेरी क्षेत्र में लगातार मोबाइल चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। इसी दौरान दिनांक 03.07.2026 को ग्राम मेडी निवासी संजय उर्फ भूरा बर्मन द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि रात्रि में परिवार के सो जाने के बाद अज्ञात व्यक्ति उसके घर में घुसकर स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल क्रमांक MP 20 NQ 7928 चोरी कर ले गया। रिपोर्ट पर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर शिवम मरावी पिता प्रताप मरावी, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम खुख्न, थाना कुंडम, जिला जबलपुर को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। साथ ही यह भी स्वीकार किया कि गत 15 दिनों में मनेरी क्षेत्र में हुई मोबाइल चोरी की घटनाओं को भी उसी ने अंजाम दिया था।

आरोपी की निशानदेही पर चोरी गई स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल एवं विभिन्न कंपनियों के 09 स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 2,70,000 रूपये है। बरामद मोबाइलों में थाना बरेला, जिला जबलपुर क्षेत्र से चोरी हुए मोबाइल भी शामिल हैं। आरोपी एक आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध पूर्व से थाना बरेला में 03 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी की गिरफ्तारी से क्षेत्र में हुई कई संपत्ति संबंधी चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ है।

गिरफ्तार आरोपियों में शिवम मरावी पिता प्रताप मरावी उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम खुख्न, थाना कुंडम, जिला जबलपुर शामिल रहा। जप्त सामग्री में स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल क्रमांक MP 20 NQ 7928, -09 स्मार्ट मोबाइल फोन, (विभिन्न कंपनियों के) -कुल अनुमानित कीमत : 2,70,000 रूपये की जप्ती बनी। उक्त कार्रवाई में चौकी प्रभारी मनेरी उप निरीक्षक शशांक शुक्ला, सहायक उप निरीक्षक साधु सिंह, प्रधान आरक्षक बलिराम, प्रधान आरक्षक अरविंद, आरक्षक आनंद कोरी, मुकेश शांडिल्य शामिल रहे।

समस्या | सड़क, बिजली, पानी एवं मोबाईल नेटवर्क जैसी मूलभूत सुविधाओं का टोटा।

सुविधाओं को तरसते मुख्यालय मवई के ग्रामवासी

* बैंकिंग सर्वर ठप्प होने से परेशान ग्रामीणजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/मवई

मामला जिले के अंतिम छोर मै बसे वनांचल मवई का है।एक ऐसा मुख्यालय जहां की विद्युत सप्लाई मोबाइल नेटवर्क, नल जल योजना सड़क मार्ग एवं अन्य मूलभूत सुविधाये भगवान के भरोसे चल रही है। ग्रामवासी बिजली पानी सड़क ओर नेटवर्क जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे है। एक ओर सरकार डिजिटल इंडिया का सपना लोगो को दिखा रही है वहीं नेटवर्क कंपनिया डिजिटल इंडिया के सपने को पलीता लगा रहे है। विद्युत सप्लाई बंद होते ही मोबाइल नेटवर्क बंद कर दिया जाता है। सरकारी कर्मचारी की उदासीनता से केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नल जल योजना ठप्प पड़ी हुई है। मवई कूड़ेला मार्ग की घटिया निर्माण कार्य ओर अधूरी पुलिया का डायवर्सन बह जाने से सैकड़ों गांव का मवई मुख्यालय से संपर्क टूट गया। क्या जिला प्रशासन ओर अपने आप को जनता का हितैषी कहने वाले जनप्रतिनिधियों को इन समस्याओं की जानकारी नहीं? या जानबूझ कर धृतराष्ट्र की तरह अपनी आँखें बंद करके बैठे है। जिनका जवाब मिलना शायद मुश्किल है।

बारिश में ही खुली विद्युत विभाग की पोल

बारिश का मौसम शुरू होते हीं विद्युत विभाग की पोल खुलने लगी है। थोड़ी सी ही बारिश मै फाल्ट के नाम पर दिन रात विद्युत बंद कर दी जाती है। जिससे आम जनजीवन प्रभाव पड़ रहा है एवं घरेलू शासकीय एवं व्यावसायिक कार्यप्रभावित हो रहे है।

विद्युत बंद होते ही नेटवर्क गोल

थोड़े ही बारिश मै विद्युत सप्लाई बंद होते ही नेटवर्क बंद कर दिया जाता है। जिससे बैंकिंग सुविधाएं, लोगों का आपातकालीन संपर्क टूट जाता है। लोग अपने ही पैसे एवं अन्य कार्य के लिए बैंकिंग सर्वर धप्प होने के कारण बैंक के चक्कर काटने को मजबूर है।

डायवर्सन बह जाने से आवागमन प्रभावित

कूड़ेला-मवई मार्ग मै निर्माणाधीन पुलिया के पास बनाया गया डायवर्सन बारिश होते ही बह गया जिससे आवागमन बाधित हो गया।और सैकड़ों गांव का मवई मुख्यालय से संपर्क टूट गया।

ग्रामवासियों मै बढ़ रही नाराजगी

ठप्प पड़ी विद्युत सप्लाई,मोबाइल नेटवर्क, बैंकिंग सिस्टम घटिया सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं ना मिलने से ग्रामवासियों का प्रशासन के खिलाफ आक्रोश पनप रहा है। लोगो के द्वारा जल्द ही इन मूलभूत सुविधाओं का स्थाई समाधान करने की मांग की जा रही है।

मंडला सेजलपुर नारायणगंज मार्ग में भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज से जबलपुर मार्ग के पास जबलपुर मार्ग में पानी भर जाने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है इसी मार्ग में शासकीय अन्य संस्थाएं पड़ती हैं जो कि नारायणगंज बस स्टैंड से टिकरिया के बीच जो मार्ग है उसमें इस कदर पानी भर गया है कि लोग मोटरसाइकिल से निकलना मैं भी परेशानी का सामना करना पड़ता है इसी मार्ग में कॉलेज एवं शासकीय स्कूल पड़ते हैं जिनमें इस रोड से छात्राओं का आना-जाना रहता है जो कि कुछ छात्र पैदल एवं साइकिल से जाते हुए स्कूल पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है पीडब्ल्यूडी बरसात के पहले मार्ग के आजू-बाजू नालिया बरसात के पहले बना दी जाती थी परंतु इस बार किसी भी प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं की गई नेशनल हाईवे से अंदर राजमार्ग नारायणगंज के लिए रास्तों में इतना पानी भर जाता है कि लोग आने-जाने में परेशान हो रहे हैं पैदल चलने वालों को तो और भी कठिनाई जा रही है बीच सड़क में पानी भर जाने से स्पीड में आ रहे वाहनों के पानी के छीटें लोगों के शरीर पर पड़ रहे हैं कि गडडे और दलदल स्थिति बनी है अत उच्च अधिकारी से निवेदन है कि पीडब्ल्यूडी के द्वारा रोड के आजू-बाजू जो नालिया बनाई जाने थी उसकी व्यवस्था की जाए।

खबर संक्षेप

खुलरी सहित क्षेत्र के गांवों में बिजली की अघोषित कटौती के चलते हो रहे लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली कटौती न करने के लिये लगातार बिजली विभाग के अधिकारियों के निर्देश दिये जा रहे है। मगर इसके बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों की मनमानी के चलते लोगों के अघोषित बिजली कटौती का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो इस समय चल रहे बारिश के मौसम में हो रही बिजली कटौती के चलते जहां लोग उमस भरी गर्मी से परेशान होने के साथ साथ निकल रहे जहरीले कीडों का शिकार होने से नही बच पा रहे है? इस प्रकार से खुलरी सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में हो रही बिजली की अघोषित कटौती के चलते लोगों का बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश बढ़ते हुये दिखाई देने लगा है? क्योंकि रात के समय होने वाली इस बिजली कटौती के संबंध में जब अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा अपना फोन उठाना भी उचित नही समझा जाता है, इस बात की सच्चाई बीते दिवस उस समय देखने मिली जब खुलरी स्थित पावर हाऊस तक तो बिजली सप्लाई चल रही थी, मगर खुलरी सहित क्षेत्र के अनेक गांवों की अचानक बिजली बंद रहने के कारण सारी रात लोगों को अंधेरे में अपनी रात काटने के लिये मजबूर होना पड़ा, इस प्रकार से बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा अपनाई जा रही तानाशाही पूर्ण कार्य प्रणाली के चलते प्रदेश सरकार द्वारा लोगों को बिजली उपलब्ध कराने में असफल रहने वाली 15 वर्ष पहले की छबि को याद दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है?

कहां गायब हो गई कुछ साल पहले शुरू की गई ग्रेन बैंक की योजना

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र सरकार द्वारा लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाओं का शुभारंभ तो किया जाता है। मगर अधिकांश योजनाएं मात्र औपचारिकता तक ही सीमित होकर रहे जाती है..? कुछ इसी प्रकार से कुछ वर्ष पहले शुभारंभ हुई ग्रेन बैक योजना का हाल जान पड़ रहा है। बताया जाता है कि बीते हुये कुछ वर्ष पहले यानि की 9 मई 2013 को समीपस्थ सांईखेड़ा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत पाली खैरी में जिला प्रशासन का नवाचार ग्रेन बैंक अनाज कोष का शुभारंभ तत्कालीन जिला कलेक्टर संजीव सिंह, तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ दीपक सक्सेना व तत्कालीन जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि पारथ सिंह गूजर की उपस्थिति में बडे ही जोर शोर के साथ शुभारंभ किया गया था। वही इसको लेकर बताया गया था कि इस ग्रेन बैंक अनाज कोष की स्थापना किये जाने का उद्देश्य ग्राम पंचायतों को ग्राम के लोगों के छोटे-छोटे सहयोग से स्वालम्बी बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है जिसमें लोग जनभागीदारी के रूप में स्वैच्छिक दान अनाज के रूप में ग्रेन बैंक को प्रदान करेगें, जिससे ग्राम का विकास होगा। वही कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को उस समय जानकारी देते हुए तत्कालीन जिला कलेक्टर संजीव सिंह ने कहा था कि हमारे प्रदेश में ग्रेन बैंक कई जिलों में खोले जा रहे है, ग्रेन बैंक खोले जाने के पीछे मूल रूप से जनभागीदारी की भावना है। वही कई ग्रामों में जनभागीदारी की भावना से गांव की सरंचनाओं को बहुत ही खूबसूरती से सवांरा गया है, गांव के लोगों के द्वारा जो स्वैच्छिक दान अनाज के रूप में प्राप्त होगा उसे राशि में कन्वर्ट कर जो राशि प्राप्त होगी उसके 100 गुना कर सरकार गांव के विकास में राशि प्रदान करेगी। मगर इस बैक के शुभारंभ होने के बाद आज तक इस बैक के बारे में न तो लोगों के पास कोई जानकारी प्राप्त हुई और यहां तक बताया जात रहा है कि यह बैक योजना मात्र एक गांव में शुभारंभ होने के बाद सिथिल सी हो जाने से यह जान पड़ रहा है कि मात्र औपचारिकता तक ही सीमित हो गई है।

सांझा चूल्हा कार्यक्रम ने गांवों में तोड़ा दम, बच्चे खिचड़ी भरोसे चला रहे अपना काम

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। साझा चूल्हा पोषण आहार कार्यक्रम यहॉ एक औपचारिकता बन कर रह गया है। वही क्षेत्र के कई गॉवों में इस योजना ने दम तोड दिया है? गांवों में जाकर देखा जावे तो वहां पर न तो मीनू के अनुसार भोजन तैयार हा रहा है और न ही बच्चों को दिया जा रहा है और न ही साफ सफाई का ध्यान रखा जा रहा है? सरकार ने ग्रामीण स्कूलों के बच्चों और महिला एवं बाल विकास विभाग की आँगनवाड़ियों के बच्चों के लिए एक ही चूल्हे पर ताजा और पौष्टिक आहार देने की योजना को लागू तो किया गया है। किन्तु योजना का समुचित लाभ बच्चों को नही मिल रहा है।

मानसून की मेहरबानी, किसानों के चेहरों पर खुशी की झलक, धान रोपने की तैयारियों में जुटा क्षेत्र का अन्नदाता

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जहां एक ओर अन्नदाताओं को अपनी फसल का बाजीब दाम नही मिलने के कारण फसल पैदा करने में लगाई गई लागत खड़ी नही हो पा रही है। वही दूसरी ओर प्रकृति भी अब अन्नदाताओं को धूखा देने में पीछे नही रहने के चलते माटी पुत्र लगातार टूटते चला जा रहा है। मगर इसके बाद भी क्षेत्र का किसान प्रकृति की मार झेलते हुये किसी भी प्रकार से अपनी खेती को लाभ का धंधा बनाने में जुटा हुआ देखा जा रहा है। क्योकि प्रकृति जिस तरह धोखा दे रही थी उसके चलते माटी पुत्र को टूटते हुये देखा जाने लगा था। क्षेत्र का अन्नदाता प्रकृति की मार झेल रहा है तो दूसरी ओर सरकार भी उनके भरोसे पर जिस तरह चोट दे देती है उसके चलते किसानों की आंखों में आंसू आने से नही चूक पाते है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस वर्ष भी देखने मिल चुकी है। क्योंकि हर साल जिस तरह किसानों द्वारा गर्मी के दिनों में पैदा करने वाले मूंग फसल को सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदते हुये किसानों की मदद की जा रही थी। उसी के चलते इस वर्ष भी किसानों को पूरा भरोसा था कि सरकार द्वारा उनकी मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीदा जावेगा। इसी सोच के चलते क्षेत्र में गर्मी मूंग के रकवा में इजाफा हुआ था और जब किसानों की मूंग फसल कटकर तैयार हुई तो सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग फसल को खरीदने के लिये के लिये जो नियम बनाते हुये घोषणा की गई है कि किसानों की समर्थन मूल्य पर मात्र 25 प्रतिशत ही मूंग खरीदी जावेगी। सरकार के इस निर्णय से जहां अन्नदाता टूटने से नही चूक पाा है। क्योंकि उसे 75 प्रतिशत मूंग का विक्रय माटी मोल दामों पर व्यापारियों के लिये करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा। वही दूसरी ओर जिन किसानों ने अपने अपने क्षेत्र के जिम्मेदारों पर भरोसा करते हुये दिल्ली तक पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी वही किसानों के हम दर्दो द्वारा जिस तरह मूंग फसल को पहले जहरीला बताते बताने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी और अब सरकार के निर्णय पर चुप्पी साधे जाने के कारण सदा ही किसानों के बीच अपने आपको किसान का बेटा कहलाने पर खुद ही प्रश्न चिन्ह लगाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है...? क्योंकि रात दिन एक करते हुये अपने खेतों में मेहनत करने वाले किसानों द्वारा जिस जिम्मेदारों पर भरोसा जताते हुये उन्हें दिल्ली पहुंचाया गया था और उनके द्वारा ही अब मुश्बित के दौरान अपने किसान साथियों से दूरी बनाते हुये चुप्प रहने से अन्नदाता अपने आपको जहां ठगा हुआ महसूस करने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो इस सच्चाई से निश्चित तौर से अन्नदाता की आंखों में आंसू आने से नही चूक पा रहे है। मगर कहा जाता है कि जब किसान अपनी पर आ जाता है तो सरकारों को झुकने के लिये मजबूर होना पड़ता है और निश्चित ही वह समय आने से नही चूकेगा और अन्नदाताओं के साथ इस तरह बेबफाई करने वालो की स्थिति ...होने से नही चूक पायेगी...? मगर किसी तरह मूंग फसल से घाटा खाने के बाद किसानों द्वारा अब अपनी धान फसल की तैयारियों में इस तरह जुटा हुआ देखा जा रहा है। क्योंकि इस वर्ष शुरूआत तौर पर मानसून में हो रही देरी के चलते किसान जहां चिंता में नजर आने से नही चूक रहे थें। मगर बीते हुये कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते उनके चेहरों पर मुस्कान दिखाई देना शुरू हो गई है और किसानों द्वारा अपने खेतों में धान रोपने के लिये खेतों मचाई सहित सोयाबीन फसल की बोनी करने की तैयारियों में लगे हुये देखे जा रहे है। वही क्षेत्र के किसानों का कहना है कि यदि प्रकृति ने उनका इसी प्रकार से साथ दिया तो वह मूंग की भर पाई धान फसल से कर लेगे। क्योंकि शुरूआती तौर पर प्रकृति जिस प्रकार से अन्नदाता का साथ देते हुये देखी जा रही है उसके चलते माटी पुत्रों के चेहरों पर मुस्कान झलते हुये वह अपने खेतों में धान फसल को लगाने की तेयारियों में जुटा हुआ देखा जा रहा है। बीते हुये लगभग एक सप्ताह से मानसून पूर्णरूप से किसानों को अपना आर्शीवाद प्रदान करते हुये देखे जा रहे है। इसी के चलते जहां किसानों के खेत बारिश के पानी से भर जाने के चलते किसान अपने खेतों में धान फसल रोपने के लिये जहां उनको मचाते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर अनेक किसानों द्वारा अपने खेतों में धान रोपने की शुरूआत भी कर दी गई है। इस स्थिति में निश्चित ही मजदूरों के भाव सातवे आसमान में पहुंचते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। इस प्रकार से मजदूरों की खोजबीन के लिये किसान जहां एक गांव से दूसरे गांव पहुंचकर मजदूरों को मुंह मांगी कीमत देते हुये अपनी धान फसल की रोपाई के लिये राजी करते हुये देखे जा रहे है। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि जब रात दिन एक करते हुय किसान अपने खेतों में फसल पैदा करने के बाद उसे बेचने की नौबत आती है तो किसानों को उसकी लागत के अनुसार भी मूल्य नही मिलने का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि क्षेत्र का किसान लगातार टूटते हुये दिखाई पड़ रहा है..? इस प्रकार की सच्चाई गन्ना सीजन से लेकर अन्य फसलों की विक्री के समय भी देखने मिलने से नही चूक पाती है। वही दूसरी ओर जब किसानों को अपने खेतों में फसल बोनी की तैयारी की जाती है उस समय भी किसानों को जरूरत के हिसाब से खाद बीज समय पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही होने के कारण लम्बी लाईनों में धक्के खाने के लिये मजबूर होना पड़ता है। मगर इसके बाद भी किसी भी प्रकार से क्षेत्र का किसान खेती के धंधे को लाभ की ओर ले जाने की सोच के चलते आगे की ओर बढ़ने का प्रयास करता है तो मौसम साथ देना छोड़ देता है जिसके चलते किसानों की आंखों में आंसू आने से नली चूकते है। मगर अभी तक जिस प्रकार प्रकृति व मानसून किसानों का साथ देते हुये दिखाई दे रहा है और यदि इसी प्रकार से मौसम मेहरवान बना रहा तो निश्चित ही किसानों की खुशियों में चार चांद लगने से नही चूक पायेगे।

परेशानियों से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को अनेक संकटों से करना पड़ रहा है सामना, शासन की योजना पर सवाल ..

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। भले ही सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए लगातार विकास के बादे किये जा रहे है, मगर यदि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सच्चाई पर जाया जावे तो वह योजनाएं कागजो तक ही सीमित नजर आने से नही चूक रहे है तथा इसी के चलते शासन द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली व सांईखेड़ा क्षेत्र के तहत आने वाले अनेक ग्रामों में ग्रामीणजन मूल भूत सुविधाओं से वंचित हैं, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बाद भी ग्रामीणजन रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर हैं? क्योंकि ग्रमीणों की समस्या के समाधान के लिये ना तो अधिकारी पहल कर रहे हैं और ना ही जनप्रतिनिधि। इसी वजह से ग्रमीणों को शासकीय राशन दुकानों से खद्यान्न, कैरोसीन, शक्कर, पेयजल के साथ-साथ स्वास्थ्य जैसी आम सुविधाओं के लिये भी कठिनाइंयों का सामना करना पड़ रहा है? ग्रामों को जोड़ने वाली सड़के जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। लेकिन इनकी मरम्मत के लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाये जा रहे हैं, वही देखा जावे तो वर्तमान स्थिति में क्षेत्र के अनेक ग्रामों में हैंडपंप बिगड़ी हालत में पड़े हें और कुछ दूषित पानी उगलते हैं, जिसे ग्रामीणजनों को निस्तार के साथ साथ पीने के उपयोग में भी लाना पड़ता है, ग्राम्यांचलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिये भी शाला भवन तो बन गये हैं। मगर उनमें शिक्षकों का टोटा है, शिक्षकों की कमी होने से गरीब बच्चें अपनी आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते है खैर अभी तक स्कूल बंद चल रहे है? मगर शिक्षण सत्र के दौरान देखा जाता हे कि क्षेत्र की अनेक शालाओं में पदस्थ शिक्षक शिक्षिकायें मनमाने ढंग से अपने गृहनगर से समय बेसमय आना जाना करते है, जिसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को भी रहती है। परंतु वे जानते बूझते इस ओर ध्यान नहीं देते है जिसका परिणाम है कि क्षेत्र में बच्चों की पढ़ाई का स्तर गिर रहा है? वही शालाओं के बच्चों को पौष्टिक मध्यान्ह भोजन भी सिर्फ कागजो तक ही सिमित नजर आता है? जिसमें देखा जावे तो कुछ शालाओं की स्थिति इस प्रकार से रहती है

प्रतिबंध अवधि के बावजूद भी खुलेआम जारी है मत्स्य आखेट, नगर में कलेक्टर आदेश साबित हो रहा बेअसर

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा/गाडरवारा।

प्रतिवर्ष देखा जाता है कि 15 जून से 16 अगस्त तक के लिए नदी नालो सहित अन्य नदियों में मछली के शिकार पर जिला दंड अधिकारी द्वारा प्रतिबंध लगा दिया जाता है। कुछ इसी प्रकार से इस वर्ष भी जिला कलेक्टर द्वारा आदेश जारी करते हुये संपूर्ण जिले में मछली मारने से लेकर विक्रय पर प्रतिबंध आदेश तो जारी कर दिया गया है। मगर उस आदेश को पालन होते हुये कही दिखाई नही देने से यह प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है कि शायद स्थानीय स्तर पर बैठे अधिकारियों की नजरों में जिला दंड अधिकारी का आदेश कोई महत्व नही रखता है या फिर जिला स्तर से जारी हुआ यह आदेश मात्र कागजों की खानापूर्ति करते हुये अखबरों की खबरों तक सीमित होकर रहे गया है? क्योंकि जब जिला दंड अधिकारी द्वारा कोई आदेश जारी किया जाता है तो उसका पालन करने की जिम्मेदार अनुविभागीय अधिकारी से लेकर तहसीदार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित पुलिस विभाग की होती है। कुछ इसी प्रकार से मत्स्यआखेट यानि की मछली मारने व विक्रय करने के आदेश को जारी हुई पूरे कई दिनों का समय बीत जाने के बाद भी कार्यवाही होते हुये दिखाई नही देने से जहां नगर सहित क्षेत्र की नदियों में खुलेआम मछली मारने के साथ विक्रय होते हुये देखा जा रहा है। जबकि जिला कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेश के अनुसार मध्यप्रदेश राज्य में म.प्र नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 की उप धारा (2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है। इस बंद ऋतु अवधि में मत्स्याखेट पूर्णतरू प्रतिबंधित रहेगा तथा इस अवधि में अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य क्रय. विक्रय करना पूर्णरूप से निषेध रहेगा। प्रदेश शासन के मछली पालन विभाग के अनुसार छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है तो उक्त प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। उपरोक्त नियमों के उल्लंघन पर मध्यप्रदेश मत्स्योद्योग अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघन कर्ता को एक वर्ष तक का कारावास या पांच हजार रूपये तक का जुर्माना या दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है। इस प्रकार से जिला कलेक्टर ने उपरोक्तानुसार अधिसूचना जारी करते हुए इस अधिसूचना के माध्यम से सर्व संबंधितों एवं मछली व्यवसाय से संबंधित सभी व्यक्तियों को सूचित किया है कि वे इस अवधि में किसी प्रकार का अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य क्रय. विक्रय न करें और ना ही इस कार्य में अन्य को सहयोग दें, अन्यथा उल्लंघनकर्ता के विरूद्ध शासन के नियमानुसार कार्रवाई की जावेगी। बाजार हाटों में उक्त अवधि में मत्स्य विक्रय पूर्ण प्रतिबंधित रखने के निर्देश संबंधित नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिये गये हैं। संबंधित अधिकारियों को इस बारे में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। 16 जून से मछलियों का प्रजनन काल प्रारंभ होने के कारण प्रतिबंध होता है जिसके चलते मछली मारने व विक्रय करने पर प्रतिबंध लगा हुआ है। मगर इसके बाद भी कार्यवाही नही होने के कारण नगर में जहां तहां खुलेआम मछली विक्रय होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर गाडरवारा की शक्कर नदी से लेकर सांईखेड़ा, चीचली, सालीचौका के आलवा क्षेत्र की नर्मदा नदी में खुलेआम मछलियों का शिकार होते हुये देखा जा रहा है।

नीम हकीमों की हुकूमत के आगे प्रशासन बना उदासीन, आम लोगों की जिन्दगी से हो रही खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज/ चीचली।

क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों इन दिनों नीम-हकीम अनाड़ी थैला छाप चिकित्सकों की हुकूमत देखने को मिल रही है, जिनके द्वारा इलाज के नाम पर रोगियों के परिजनों से जमकर चांदी काटी जा रही है। यह पहला अवसर नहीं है कि जब इस संबंध में संबंधित विभाग का ध्यान न दिलाया गया है, इसके पूर्व भी ग्रामीणजनों से मिली शिकायतों के अनुसार जिला प्रशासन का ध्यान देने के लिए मांग की जा चुकी है, किन्तु ऐसे कथित चिकित्सकों के विरूद्ध कार्यवाही के नाम पर परिणाम सिफर ही साबित हुए हैं। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ऐसे अनेक ग्रामीण अंचलों का जायजा लिया जावे तो निश्चित तौर पर एक गाँव में ऐसे आधे दर्जन से भी अधिक नीम हकीम थैला छाप चिकित्सक मिल जावेंगे जो अवैध रूप से अपना कारोबार संचालित करते हुए धड़ल्ले से अपनी दुकानदारी कर रहे हैं। उल्लेखानीय है कि जहां एक ओर एक ओर शासन द्वारा नगर में क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने हेतु तो स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की गई है मगर उसमें चिकित्सकों का आभाव के चलते लोगों को सभी लाभ नही मिलने का परिणाम है कि ग्रामीण अपनी बीमारी के चलते अपनी जान पर बन आते देख इन कथित नीम हकीमो से ही इलाज कराना पड़ता है? सूत्र बताते हैं कि गांव के गलियारों में चिकित्सा व्यवसाय करने वाले ऐसे दर्जनों नीम हकीम है जिनके पास चिकित्सा संबंधी डिग्री नहीं है, किन्तु कुछ तो ऐसे भी थैला छाप चिकित्सक हैं जो आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के नाम पर एलोपैथिक चिकित्सा व्यवसाय करते देखे जा रहे हैं और उनके द्वारा किये जाने वाले इलाज से रोगियों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है? जानकारी के अनुसार शहर के कुछ निजी नर्सिंग होमों में कम्पाउण्डर का काम करने वाले कर्मियों द्वारा भी गांव में अपना डॉक्टरी पेशा शुरू कर दिया गया है तथा रोगियों को हाई पावर दवाईयां देकर उनके जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से इस समय देखा जावे तो मौसम के विपरीत होने की स्थिति में जहां मरोजों का इजाफा हो रहा है, वही दूसरी ओर इन छोलाछाप डाक्टरों की चांदी हो रही है।

शहर में लगे हुये बिजली खम्बों पर निजी कंपनी द्वारा अपनी लाईन डालकर किये जा रहे उपयोग से यदि कोई घटना घटित होती है तो कौन होगा जिम्मेदार?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

शहर के मुख्य मार्गो से लेकर कालोनियों में बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये विद्युत सप्लाई व्यवस्था के खम्बों पर बीते हुये लगभग दो सालों से जिस तरह निजी कंपनी द्वारा अपनी लाईन डाली गई है उसको लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है? इस तरह सरकारी बिजली खम्बों पर डाली जाने वाली केबिल में जियों कंपनी का मार्का अंकित होने से यह अनुमान लग रहा है कि शायद निजी कंपनी जियों द्वारा अपने संचार व्यवस्था के लिये इन सरकारी खम्बों का उपयोग किया जा रहा है? मगर बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये यह खम्बे जहां शासकीय संपत्ति माने जाते है और उनका उपयोग सिर्फ बिद्युत व्यवस्था के लिये उपयोग करना बताया जाता है? मगर इसके बाद भी जिस तरह से निजी कंपनी द्वारा इन खम्बों का उपयोग करने के लिये खम्बों के ऊपर चढ़कर जहां अपनी सामग्री फिट करते हुये उनके ऊपर अपनी केबिल डालने का कार्य किया जा रहा है इससे निश्चित तौर से नगर में विद्युत उपभोक्ताओं के लिये जहां परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा तो दूसरी ओर निजी कंपनी द्वारा डाली जाने वाली अपनी केबिल में इतनी ढील दी जा रही है जिसके चलते नगर की कालोनियों व मुहल्लो में जब कोई वाहन प्रवेश करेगा तो वह फंसने से नही बच पायेगा...? इस स्थिति में निश्चित तौर से आये दिन बिद्युत सप्लाई व्यवस्था में बांधा पहुंचने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वैसे भी देखा जावे तो नगर के अंदर लगे हुये बिजली खम्बों की हालत यह बनी है कि वह पहले से ही विद्युत लाईनों के चलते मकड़ी के जाल के समान बने हुये है और उसी के ऊपर से इस नई लाईन के डाले जाने से विकट स्थिति बनने से नही चूक पा रही है तो सबाल यह पैदा हो रहा हे कि यदि किसी दिन कोई घटना घटित होती है तो इसका जिम्मेदार कौन रहेगा..? मगर इसके बाद भी खुलेआम बिजली खम्बों का निजी कंपनी द्वारा उपयोग किये जाने के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से अनेक सबाल खड़े करने से नही चूक रही है? कही ऐसा तो नही कि बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा लक्ष्मी जी के आर्शीवाद के चलते आपसी समझौता करते हुये इन्हे शासकीय संपत्ति का उपयोग करने के लिये चूपचाप तरीके से अनुमति प्रदान कर दी गई हो? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर इस तरह शासकीय संपत्ति का निजी कंपनी द्वारा उपयोग करने के साथ बिद्युत सप्लाई खम्बों पर डाली जाने वाली यह लाईन नगरवासियों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पायेगी।

बसेडिया की समाज सेवा के क्षेत्र में अनूठी पहल, गुड़ चना युक्त प्याऊ का शरबत वितरण के साथ किया गया समापन, दो माह तक आमजन को मिलता रहा ठंडा जल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस व्यक्ति में समाज सेवा करने का जूनन सबार होता है वह भले ही अनेक प्रकार की परेशारियों से जूझता रहे मगर दूसरों के लिये अपने जेब से पैसा खर्च करते हुये बगैर दिखावे के सदा ही लगा रहता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समाजसेवी मुकेश बसेड़िया में देखने मिल रही है जिनके द्वारा जहां गरीबों की सेवा करने के लिये पहुंच विहीन मार्गो पर अपनी मोटर साईकिल मे कपड़ो सहित खाने पीने की सामग्री लेकर जंगल क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों के बीच पहुंचकर उन्हें तेज गर्मी का मौसम हो या फिर ठंड का सामग्री पहुंचाने में कसर नही छोड़ते है तो दूसरी ओर जब नगर में आम लोगों के लिये यदि शासन प्रशासन का हो या फिर किसी निजी संस्था का कैम्प अपना योगदान देने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये गर्मी के दिनों में उस समय देखने मिली जब नगर में भीषण गर्मी के दौरान जब लोग नगर में ठंडे पानी के लिये तरसते हुये देखे जा रहे थे उस दौरान समाज सेवी मुकेश बसेडिया द्वारा सतू अमावस्या के पावन अवसर पर नगर के उत्सव भवन के पास रेवाश्री वुक्स के सामने चना गुड युक्त प्याऊ का शुभारंभ बडे ही धूमधाम के साथ सत्तू वितरण करते हुये किया गया था। इतना ही नही यहां पर रखे गये ठंडे मटको में पानी भरने से लेकर डिब्बो में रखे हुये गुड चुना की व्यवस्था बनाने के लिये खुद सुबह 9 बजे प्रतिदिन चिंता के साथ प्याऊ स्थल पर खड़े हुये देखे जाते थें। इस प्रकार से नगर के इतिहास में बीते हुये कई सालों से गुड चुना युक्त प्याऊ संपूर्ण जिले में चर्चा का विषय बन चुकी थी तो दूसरी ओर इस तरह की प्याऊ को लेकर बसेडिया का कहना था कि जब भीषण सूरज के तबन के बीच कोई व्यक्ति प्यास से ब्याकुल होता है और ठंडा पानी पीता है तो उसके पेट में दर्द होने की स्थिति बन जाती है। इसी सोच के चलते प्याऊ स्थल पर गुड चना रखे गये है कि पहले प्यास व्यक्ति गुड चना का सेवन करे और ठंडा पानी पीये। क्योंकि भूखे को भोजन व प्यासे को पानी पिलाना शास्त्रों में सर्व श्रेष्ण सेवा मानी गई है। मगर इसके बाद देखा कि जब लोगों को ठंड पानी की जरूरत महसूस नही हो रही है तो उनके द्वारा इस अनोखी प्याऊ का समापन भी लोगों का मुंह मीठा करते हुये पूर्ण विधि विधान के साथ किया गया है। इस तरह सतुबाई अमावस्या से शुरू हुई इस प्याऊ का समापन रविवार को आषाढ माह की पंचमी के पावन अवसर पर शरबद का वितरण करते हुये किया गया।

खबर संक्षेप

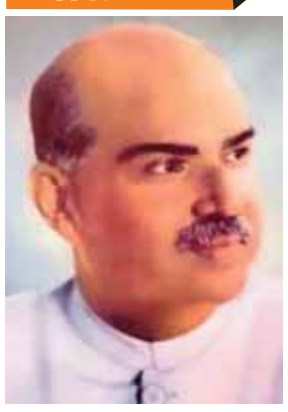

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर भाजपा कार्यालय में होगा कार्यकर्ता सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज, अनूपपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला अनूपपुर द्वारा 6 जुलाई सोमवार को दोपहर 2:00 बजे जिला भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं का वृहद सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह, पूर्व मंत्री अनूपपुर विधायक बिसाहूलाल सिंह, भाजपा जिला प्रभारी संजय साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास पुरी, बृजेश गौतम, अनिल गुप्ता, आधाराम वैश्य सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सभी मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके राष्ट्रनिर्माण में योगदान, भारतीय जनसंघ की स्थापना, संगठन के विस्तार तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए किए गए संघर्षों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए जाएंगे। भाजपा जिला प्रभारी संजय साहू एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने जिले के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया है। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा प्रदान की गई।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक 10 जुलाई को

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारत शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक का आयोजन संसदीय क्षेत्र शहडोल की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह की अध्यक्षता में 10 जुलाई को अपरान्ह 2 बजे से कलेक्ट्रेट नर्मदा सभागार अनूपपुर में किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने बताया है कि बैठक में एजेंडा बिंदु विभागों के भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की जावेगी।

जैतहरी टीआई अमर वर्मा लाइन अटैच, प्रशासनिक आदेश के बाद चर्चाओं का दौर

अनूपपुर। जैतहरी थाने में पदस्थ टीआई अमर वर्मा को पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब द्वारा प्रशासनिक आधार पर लाइन अटैच किए जाने का आदेश जारी किया गया है। आदेश के बाद जिले में इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि आदेश में लाइन अटैच किए जाने का कारण केवल प्रशासनिक बताया गया है। जानकारी के अनुसार टीआई अमर वर्मा के विरुद्ध पूर्व में विभिन्न मामलों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष शिकायतें प्रस्तुत की गई थीं। शिकायतों में सेवा नियमों के कथित उल्लंघन, विभागीय अनुमति के बिना भूमि क्रय, सरकारी आवास से जुड़े मामलों सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी। सूत्रों के अनुसार इन शिकायतों की प्रतिलिपियां पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई थीं।

कैरियर गाइडेंस कार्यशाला का सफल आयोजन

आईएएस ऐश्वर्य वर्मा ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। जनजाति कल्याण केंद्र महाकोशल, बरगांव के केशव सभागार में कैरियर गाइडेंस कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं शहपुरा एसडीएम आईएएस ऐश्वर्य वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मनोहर लाल साहू ने सेवा प्रकल्प के नवाचारी प्रयासों की जानकारी दी।मुख्य वक्ता आईएएस ऐश्वर्य वर्मा ने 300 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर अध्ययन, अनुशासन और सही दिशा में किया गया परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में अपनी सफलता के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को एकाग्रता एवं सुनियोजित तैयारी का महत्व बताया। उन्होंने स्थानीय प्रतिभाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सफलता के लिए बड़े शहर या संसाधनों से अधिक आवश्यक स्पष्ट दृष्टिकोण, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास हैं।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने चिकित्सा, शिक्षण, प्रशासनिक सेवाओं, पुलिस सेवा, उद्यमिता तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका ऐश्वर्य वर्मा ने विस्तारपूर्वक उत्तर देते हुए उनका मार्गदर्शन किया। संवादात्मक सत्र से विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला।कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, चिकित्सकों, शिक्षकों, रेंज ऑफिसर तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने भी विद्यार्थियों को अपने अनुभव साझा करते हुए करियर निर्माण के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। प्रमुख रूप से भारती मेरावी, प्रियांशी जैन, अक्षय जी, आशुतोष ठाकुर, सतीश साहू, अनुराग जामदार, डॉ. रुपेश चौधरी, डॉ. तपस्या चौधरी, अतुल सिंह बघेल, डॉ. अशोक मरावी, निशांत सौरभ, अमित कुमार, अनंता गुप्ता, रूपाली ठाकुर, डॉ. आयुषी, डॉ. अंकित पटेल, डॉ. श्वेता जैन एवं डॉ. अमित जैन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजन में कैरियर गाइडेंस उपसमिति के संयोजक सिद्धार्थ गौतम, सदस्य अश्विनी कुमार साहू, धरम सिंह मरावी, दीपक द्विवेदी, हरिदर्शन चौकसे, पंचम सनोडिया, बीआरसीसी जी.पी. साहू तथा स्थानीय शासकीय एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।संवाद एवं शंका समाधान सत्र के उपरांत आयोजन समिति एवं जनजाति कल्याण केंद्र के पदाधिकारियों द्वारा सभी मार्गदर्शकों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अश्विनी साहू ने किया तथा समिति की ओर से सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजन के अंत में विद्यार्थियों के निरंतर मार्गदर्शन हेतु भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

शाला भवन ध्वस्तीकरण के बाद जिम सामग्री के रखरखाव पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर अंतर्गत प्राथमिक शाला परसेल में स्थापित जिम सामग्री के रखरखाव और उसके वर्तमान ठिकाने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार विभाग द्वारा लाखों रुपये की लागत से जिम सामग्री खरीदी गई थी, जिसे विद्यालय के एक कक्ष में रखा गया था। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस सामग्री का उपयोग नहीं हो सका।बताया जा रहा है कि भवन के जर्जर घोषित होने के बाद प्राथमिक शाला भवन को ध्वस्त कर दिया गया। इसके बाद जिम सामग्री के सुरक्षित रखरखाव एवं हस्तांतरण को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि भवन ध्वस्तीकरण से पूर्व सामग्री के संबंध में आवश्यक पंचनामा या सुपुर्दनामा की प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इस संबंध में विकासखंड शिक्षा अधिकारी अमरपुर द्वारा पत्र क्रमांक वि.खं.शि.अधि./स्था./2026/448, दिनांक 26 जून 2026 के माध्यम से जानकारी दी गई कि प्राथमिक शाला परसेल में स्थापित जिम सामग्री के सुपुर्दनामे संबंधी जानकारी संबंधित विद्यालय स्तर से प्राप्त की जा सकती है।इधर, स्थानीय स्तर पर शासकीय संपत्तियों के रखरखाव को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि सरकारी संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए जिम्मेदारी तय होना आवश्यक है।ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर के अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर ने मामले में अनियमितता का आरोप लगाते हुए इसकी निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए पुलिस की एडवाइजरी, नागरिकों से सतर्क रहने की अपील

डिंडोरी। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क एवं जागरूक रहने की अपील की है। पुलिस ने कहा है कि अज्ञात मोबाइल कॉल, व्हाट्सएप संदेश, एसएमएस, लिंक, क्यूआर कोड अथवा ओटीपी के माध्यम से होने वाली साइबर ठगी से बचने के लिए विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है।पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपनी बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी, ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम कार्ड का विवरण तथा पासवर्ड किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। साथ ही किसी भी अज्ञात लिंक पर बिना सत्यापन क्लिक करने या किसी के कहने पर मोबाइल में कोई ऐप डाउनलोड करने से बचें।

पुलिस के अनुसार साइबर अपराधी नौकरी दिलाने, लॉटरी लगने, केवाईसी अपडेट कराने, बिजली बिल जमा कराने, गैस सब्सिडी, निवेश के आकर्षक प्रस्ताव तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे विभिन्न बहानों से लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी न करें और पहले संबंधित जानकारी का सत्यापन अवश्य करें।यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर धोखाधड़ी की घटना होती है, तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं या www.cybercrime.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत करें। इसके साथ ही निकटतम पुलिस थाने में भी तत्काल सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

पुराने कुएं को नया बताकर भुगतान का आरोप, कोकोमेटा पंचायत में जांच की मांग

डिंडौरी। जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कोकोमेटा में 15वें वित्त आयोग की राशि के उपयोग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि वर्षों पुराने कुएं को नया निर्माण दर्शाकर करीब दो लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। मामले को लेकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में रतिराम के खेत के पास पेयजल कूप निर्माण के नाम पर लगभग दो लाख रुपये का भुगतान किया गया। उनका दावा है कि संबंधित कुआं पहले से निर्मित था, इसके बावजूद उसे नया निर्माण दर्शाकर शासकीय राशि जारी कर दी गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि भुगतान से पहले निर्माण कार्य का समुचित भौतिक सत्यापन एवं तकनीकी मूल्यांकन नहीं किया गया। उनका कहना है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह शासकीय राशि के दुरुपयोग का गंभीर मामला होगा।ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण स्थल का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए तथा माप पुस्तिका (एमबी), मूल्यांकन प्रतिवेदन, भुगतान अभिलेख और अन्य संबंधित दस्तावेजों की विस्तृत जांच की जाए। साथ ही जांच में अनियमितता सिद्ध होने पर संबंधित सरपंच, सचिव, उपयंत्री एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शासकीय राशि की वसूली की जाए।फिलहाल मामले में पंचायत प्रतिनिधियों अथवा संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आया है आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की समीक्षा, प्रभावी क्रियान्वयन और विभागीय समन्वय पर जोर

डिंडौरी। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना को लेकर योजना की नोडल अधिकारी स्वाती मीणा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय और निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति पर विशेष जोर दिया गया।बैठक में कृषि, मत्स्य, सहकारिता, उद्योग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और आत्मा परियोजना सहित विभिन्न विभागों की गतिविधियों की समीक्षा की गई। वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के तहत प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने, फसल विविधिकरण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, जल संरक्षण तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई।

अधिकारियों ने किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादन क्षमता को मजबूत बनाने और टिकाऊ कृषि प्रणाली को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि ऋण वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की। साथ ही किसानों तक शासकीय योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नीति आयोग को भेजे गए परियोजना प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर किसानों तक पहुंचाना सभी विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।बैठक में कृषि उपसंचालक संजय दोषी, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक के.के. देशमुख सहित कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विभागवार प्रगति की जानकारी प्रस्तुत करते हुए आगामी कार्ययोजना के संबंध में अपने सुझाव भी साझा किए।

बीएसएनएल केबल बिछाने के बाद सड़क बदहाल, ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

डिंडौरी। जिले में बीएसएनएल नेटवर्क विस्तार के तहत ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने का कार्य कई गांवों में किया जा रहा है, लेकिन संबंधित ठेकेदार की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डिंडौरी विकासखंड के ग्राम कनाई सांगवा में केबल बिछाने के लिए सड़क किनारे खोदे गए गड्ढों को पाइप डालने के बाद भी नियमानुसार नहीं भरा गया है।

वहीं खुदाई से निकली मिट्टी सड़क पर ही छोड़ दी गई है।लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पर फैली मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो गई है, जिससे पैदल चलना और दोपहिया वाहनों से आवागमन बेहद जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन बाइक सवार फिसलकर गिर रहे हैं और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।ग्रामीणों के अनुसार, कार्य शुरू हुए करीब दो माह बीत चुके हैं, लेकिन अब तक केबल बिछाने का काम पूरा नहीं हो पाया है। अधूरे निर्माण और ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा गांव के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो गई है, जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि संबंधित ठेकेदार की कार्यप्रणाली की जांच कर उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही सड़क पर छोड़ी गई मिट्टी तत्काल हटाई जाए, गड्ढों को भरवाया जाए और निर्माण कार्य को गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की स्थिति नहीं सुधारी गई, तो बरसात के दौरान किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

जलती दुकानों की लपट का शिकार हुई जर्सी गाय, हुई मौत

पुष्पराजगढ़ मुख्यालय राजेंद्रग्राम में हुई भीषण आगजनी ने पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रातभर सायरन बजाकर गश्त की औपचारिकता निभाई जाती रही है, लेकिन जब आग ने विकराल रूप लिया तब न दुकानों को बचाया जा सका और न ही एक गर्भवती जर्सी गाय की जान को। अब जनता पूछ रही है कि सुरक्षा व्यवस्था आखिर जनता के लिए है या केवल कागजी दावों तक सीमित रह गई है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के राजेंद्रग्राम बस स्टैंड में बीते रात हुई आगजनी ने कई परिवारों की जिंदगी को राख में बदल दिया है। कल्याण की फर्नीचर दुकान, मोहन जायसवाल की दुकान और शकुंतला की गर्भवती जर्सी गाय इस हादसे की भेंट चढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पुलिस की रात्रि गश्त केवल सायरन बजाकर निकल जाने तक सीमित है, जबकि संवेदनशील क्षेत्रों में न तो प्रभावी निगरानी होती है और न ही अवैध गतिविधियों पर समय रहते अंकुश लगाया जाता है। लोगों का यह भी कहना है कि बस स्टैंड क्षेत्र में बिरयानी दुकानों की आड़ में खुलेआम देशी शराब की बिक्री होती है, जिससे देर रात तक असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है और समय पर प्रभावी कार्यवाही होती, तो संभव है कि नुकसान कम होता। इन आरोपों की स्वतंत्र जांच आवश्यक है। फिलहाल पीड़ति परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा है और वे प्रशासन से तत्काल राहत एवं पुनर्वास की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

रात्रि गश्त या सिर्फ सायरन की औपचारिकता?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस वाहन रात में तेज सायरन बजाते हुए मुख्य मार्गों से गुजर जाते हैं, लेकिन संवेदनशील स्थानों पर प्रभावी निगरानी नहीं होती है। आगजनी की इस घटना ने रात्रि गश्त की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि गश्त वास्तव में सतर्क और जवाबदेह होती तो आग फैलने से पहले राहत कार्य शुरू हो सकता था और नुकसान काफी हद तक कम किया जा सकता था।

बस स्टैंड में अवैध शराब का खेल, थानेदार हुए फेल?

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि राजेंद्रग्राम बस स्टैंड में कई बिरयानी दुकानों की आड़ में लंबे समय से देसी शराब की बिक्री की जा रही है। दिन से ही यहां भीड़ और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगना आम बात बताई जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते थाना प्रभारी राजेंद्रग्राम कार्यवाही कर अवैध कारोबार पर लगाम लगाई जाती तो क्षेत्र का माहौल इतना बिगड़ता नहीं जितना अब तक दिखाई देता रहा है। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

आग ने छीन लिया परिवार का एकमात्र सहारा

आगजनी में कल्याण की फर्नीचर दुकान पूरी तरह जल गई है। यही दुकान उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन थी। अब परिवार के सामने रोजमर्रा के खर्च और भविष्य की चिंता खड़ी हो गई है। मोहन जायसवाल को भी भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़ति परिवारों का कहना है कि वर्षों की मेहनत कुछ ही घंटों में राख बन गई और अब वे शासन-प्रशासन से तत्काल आर्थिक सहायता और पुनर्वास की मांग कर रहे हैं।

बेजुबान की मौत ने बढ़ाए सवाल

इस हादसे में शकुंतला दुबे की गर्भवती जर्सी गाय की दर्दनाक मौत ने लोगों को झकझोर दिया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि आग पर समय रहते काबू पा लिया जाता तो इस बेजुबान की जान बच सकती थी। यह घटना केवल संपत्ति के नुकसान तक सीमित नहीं रही, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी गहरा आघात पहुंचाकर चली गई है।

राहत की आस में टकटकी लगाए पीड़ति परिवार

पीड़ति परिवारों को उम्मीद है कि शासन और प्रशासन तत्काल राहत पैकेज, आर्थिक सहायता और रोजगार पुनर्स्थापना की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल जांच के आदेश काफी नहीं होंगे, बल्कि प्रभावित परिवारों को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए विशेष सहायता योजना लागू की जानी चाहिए। यही इस त्रासदी के बाद प्रशासन की वास्तविक परीक्षा हो

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, सोमवार 6 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

एडीपीसी का विदाई समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विपनेश जैन एडीपीसी रमसा एवं मोहन विश्वकर्मा प्राचार्य करेली का स्थानांतरण सिवनी जिले में होने पर उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय नरसिंहपुर द्वारा विदाई दी गई। इस अवसर पर डॉ अनिल कुशवाहा जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर ने कहा कि श्री जैन एवं श्री विश्वकर्मा ने जिले में बेहतर सेवाएं दी। कार्यक्रम में राजीव किशोर श्रीवास्तव प्राचार्य डाइट, ए एस मसराम सहायक संचालक, अनुज जैन जिला क्रीड़ा अधिकारी, प्रकाश साहू मुख्य लिपिक एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता हेतु आवेदन 25 तक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल के माध्यम से वर्ष 2026 में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों के लिए पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्तरीय 7 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में प्रतियोगिता में जिले के सभी शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के द्वारा तीन सदस्यीय एक टीम के रूप में प्रतियोगिता में सहभागिता की जाएगी। प्रतियोगिता में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभागी टीम विद्यालयों का पंजीयन एक जुलाई से प्रारंभ हो चुका है, जिसकी अंतिम तिथि 25 जुलाई 2026 नियत की गई है। प्रतिभागी टीम विद्यालय अपना पंजीयन में जाकर कर सकते हैं।

भाजपा का कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न

राष्ट्रनिष्ठा और कुशल नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण डॉ. मुखर्जीः मंत्री श्री पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रविवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वी जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल एवं जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, जिला प्रभारी शरद जैन, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, महेन्द्र नागेश प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा उदय प्रताप कौरव, मीडिया संयोजक स्मृति जैन, हाकम सिंह चढ़ार, महंत प्रीतम पुरी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें सर्वप्रथम भाजपा जिलाध्यक्ष ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि भारत की एकता अखण्डता और राष्ट्रीय स्वभिमान के प्रखर प्रहरी महान शिक्षाविद् राष्ट्रवादी चिन्तक एवं जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग और दृढ़संकल्प का अनुपम उदाहरण है उन्होने अपने विचारों और कार्यों से स्वतंत्र भारत की राजनीति को नई दिशा प्रदान की है तथा राष्ट्रहित की भावना को सदैव सर्वोपरि रखा है।

आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत

श्री पाठक ने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंति केवल उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करने का अवसर नही बल्कि राष्ट्रभक्ति एवं स्वशासन सांस्कृतिक चेतना एवं अखण्ड भारत के उनके आदर्शों को आत्मसात करने का प्रेरक अवसर पर है। तेन्दूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की एवं उसके संस्थापक के रूप में अपना बेहतर योगदान देते हुए जनसंघ को देश में एक सशक्त राष्ट्रवादी राजनैतिक विकल्प के रूप में पहचान दिलाई। डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जनसंघ की स्थापना का उद्देश्य सांस्कृतिक अस्मिता लोकतांत्रिक मूल्यों राष्ट्रवाद और अखंड भारत की भावना को सशक्त करना था। भारतीय जनता पार्टी जो आज देश की प्रमुख राजनैतिक शक्ति है उसमें डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का योगदान अतुलनीय है। उनका योगदान केवल एक राजनैतिक दल की स्थापना तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होने भारत की राष्ट्रवादी नीति को एक स्थाई वैचारिक आधार प्रदान किया।

राष्ट्र निर्माण में डॉ. मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान

मंत्री प्रहलाद सिंह पटैल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय राजनीति के उन महान राष्ट्र निर्माताओं में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम मुख्य रूप से आता है जिन्होंने स्वतंत्र भारत की प्रारंभिक नीतियों ओर औद्योगिक विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वे स्वतंत्र भारत की पहली केंद्रीय परिषद में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाले डॉ.मुखर्जी ने अपने कार्यकाल में देश को औद्योगिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण पहल की। जब देश स्वतंत्रता के बाद आर्थिक चुनौतियों संसाधनों की कमी और औद्योगिक पिछडे पन से जूझ रहा था। ऐसे समय में डॉ. मुखर्जी ने स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहन देने उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा सार्वजनिक क्षेत्र के विकास पर विशेष बल दिया। केन्द्रीय मंत्री मंडल महत्वपूर्ण सदस्य होने के बाद भी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर उन्होंने कभी समझौता नही किया।

राष्ट्रहित में अमूल्य योगदान

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि 1950 में उन्होने नेहरू लियाकत समझौता में अपनी असहमति दर्ज कराते हुए अपने सिद्धांतों एवं राष्ट्रहित के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण देते हुए केन्द्रीय मंत्री मंडल से अपना स्तीफा दे दिया। आज उनकी जयंति पर राष्ट्र उन्हें ऐसे दूरदर्शी नेता के रूप में स्मरण करता है जिन्होंने स्वतंत्र भारत के उद्योगिक विकास राष्ट्रीय एकता और स्वभिमान को नई दिशा देने में अपना अमूल्य योगदान दिया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बतया कि मंच का संचालन जिला महामंत्री राहुल कौरव एवं आभार जिला उपाध्यक्ष मुकेश मरैया ने किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में जिला पंचायत उपाध्यक्ष सदस्य गण नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्षगण जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल महामंत्री गण पार्षद, सरपंच, जनपद सदस्य, एवं जिले की चारों विधानसभाओं से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अपनी सहभागिता दी।

कलेक्टर ने किया पौधरोपण व विकास कार्यों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले में पौधरोपण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पौधरोपण भी किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी उदय प्रताप सिंह, परियोजना अधिकारी विपिन लाड़ सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह, अधिकारियों व नागरिकों ने ग्राम पंचायत धुबघटगौड़ी में विभिन्न प्रजातियों के नींबू, आम, पाकड़, पीपल एवं आँवला सहित करीब 100 पौधों का रोपण किया गया। कलेक्टर ने कंटूर ट्रेंच एवं ग्राम के पारंपरिक तालाब का निरीक्षण कर तालाब का गहरीकरण करने, पडल निर्माण कराने तथा अतिक्रमण हटाकर वृहद स्तर पर पौधरोपण कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शेड नदी के कटाव को रोकने के लिए आवश्यक प्रबंधन करने और बांस का रोपण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत खमरिया-जरजोला के खपड़ी गांव स्थित शांतिधाम परिसर में पौधरोपण एवं गैप फिलिंग का कार्य किया गया। कलेक्टर ने परिसर की बाउंड्रीवाल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन 47 लाख रुपये लागत के सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत खापा के ग्राम मेहका में सीसी सड़क एवं शांतिधाम परिसर में तार फेंसिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम पंचायत करहैया- नर्मदा में नर्मदा समृद्धि परियोजना के अंतर्गत लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्र में स्वीकृत पौधरोपण कार्य का निरीक्षण किया। नर्मदा आश्रय स्थल पर विभिन्न प्रजातियों के करीब 100 पौधे लगाए गए। यहां निर्माणाधीन सामुदायिक भवन के निरीक्षण के दौरान समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित, विद्यार्थियों को दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस जिले के अग्रणी महाविद्यालय स्वामी विवेकानंद शास. स्नात. महाविद्यालय में सत्र प्रारम्भ पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस हेतु उच्च शिक्षा म.प्र. शासन द्वारा निर्देशित किया गया था कि दीक्षारम्भ समारोह आयोजित किया जाये ताकि नव प्रवेशित छात्र-छात्राएं अपनी संस्थाओं से उनकी शैक्षणिक प्रक्रियाओं से एवं शासन की प्रदत्त सुविधाओं से परिचित हो सकें।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा प्राप्त स्वामी विवेकानंद पी.जी. महाविद्यालय नरसिंहपुर क्षेत्र का अग्रणी कॉलेज है, अत इस महाविद्यालय में म.प्र. शासन ने अनेक विषयों के साथ अध्यापन में नवाचार जोड़ा है। बेहतर अधोसंरचना तैयार की गई है। शिक्षण हेतु इंटरेक्टिव पैनल, प्रोजेक्टर, डिजिटल लाइब्रेरी को समाहित करते हुए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को अध्यान में जोड़ा है। कार्यक्रम में दिनांक 01 जुलाई से 03 जुलाई तक तीन दिवसीय कार्यक्रम को प्राचार्य डॉ. आर.बी. सिंह के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में आयोजित किया गया। नई शिक्षा नीति एवं सत्रीय शैक्षणिक गतिविधियों का परिचय डॉ. गनेश कुमार सोनी विभागाध्यक्ष गणित द्वारा दिया गया। प्रो. आलोक तिवारी द्वारा महाविद्यालय का परिचय एवं महाविद्यालयीन समितियों का परिचय दिया गया। प्रथम दिवस ही महाविद्यालय के परिसर भ्रमण हेतु प्रो. शोभा मिश्रा द्वारा विभिन्न विभागों, लैबों, लाइब्रेरी सहित परिसर से परिचित किया गया। तृतीय दिवस डॉ. स्वाति चांदोरकर विभागाध्यक्ष अंग्रेजी, संतोष अवस्थी एवं डॉ. अभयराज साहू (कम्प्यूटर विभाग) द्वारा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए विषयों के चयन, महाविद्यालय में विभिन्न एम.डी.सी. एवं रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई । साथ ही छात्र-छात्राओं कक्षाओं में अधिक उपस्थिति के साथ नियमित अध्यापन से जुड़ने निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय परिसर में विश्व बैंक परियोजना अंतर्गत विशाल मुख्य भवन, नया प्रयोगशाला भवन एवं छात्रावास की सुविधा इस नवीन सत्र में प्रारम्भ हो रहा है। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन प्रो. गजेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। महाविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया डॉ. अमित कुमार ताम्रकार एवं डॉ. गगन कुमार ताम्रकार, डॉ. शिवानी शिवहरे द्वारा संचालित की जा रही है।

पदयात्रा निकालकर दिया वृक्षारोपण का संदेश- नीम के बीजों का किया रोपण

तेंदूखेड़ा। रविवार को नगर की योगदान सेवा समिति के द्वारा तेंदूखेड़ा से इमझिरा के बीच पैदल यात्रा निकालकर लोगों को वृक्षारोपण के महत्व को समझाते हुए सड़क मार्ग के किनारे नीम के बीज का रोपण किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित समिति के सदस्यों के द्वारा सड़क मार्ग के दोनों तरफ नीम के बीजों को रोपित किया गया। सदस्यों का मानना है कि उक्त बीज अंकुरित होकर स्वयं पौधे का आकार लेंगे फिर इनकी परवरिश स्वयं सदस्य तो करेंगे ही वहीं सड़क किनारे खेत मालिकों का भी इसमें सहयोग लिया जाएगा। गौरतलब रहे कि उक्त समिति के द्वारा हर साल अलग अलग क्षेत्रों सड़क मार्गों पर छाया दार फलदार पौधा रोपण किया जाता है जिनमें सैकड़ों पौधों ने वृक्ष का रुप ले लिया है।जो राहगीरों को छाया प्रदान करने के साथ फल और मुफ्त में आक्सीजन प्रदान कर रहे हैं। योगदान समिति की इस पहल का सभी वर्गों द्वारा सराहना की जा रही है।

निर्मल ग्रामों की बर्बादी, कमीशन की आड़ में आंखे बंद किये हुए अधिकारी?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। वही दूसरी ओर गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन ये अधिकारी कर्मचारी आफिसों में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है और इसका परिणाम यह देखने में आ रहा है कि गांव में बनायी गई सड़के एक चंद वर्षो में ही पूरी तरह उखड़ चुकी है, वही पूर्व के समय में गांवों में बनाये गये शौचालय की स्थिति भी इसी प्रकार से देखने मिल रही है कि वह कचरो एवं कूडादानो में तब्दील हो गये है तो हजारों रूपया की लागत से बनाये गये कचरा घर टूट गये है, जल स्त्रोतो के समीप हरी घासे एवं दलदल निर्मित हो गयी है, इसके बाबजूद शासन द्वारा इन निर्मल ग्रामो को पुरूस्कार द्वारा नवाजा गया है, जिसमें लाखो रूपये की इनाम राशि को भी सरपंच सचिवो ने डकार ली? यदि इन गांवों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायते तो इस प्रकार की जहां पर लोग आज भी शौच के लिए बाहर जाते हुए नजर आते है और दूसरी ओर सड़कों की गुणवत्ता को दरकिनार करते हुए कमीशन की आड़ में अधिकारियों द्वारा उन्हें पास कर दिया गया है जो चंद दिनों के बाद भी टूटना शुरू हो चुकी है।

बिना नम्बर के चल रहे सैकेडों टैक्ट्रर से दुर्घटना की बनी आशंका

नांदनेर/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा क्षेत्र के अनेक जगहों पर चैकिंग प्यांट लगाकर वाहनों की चैकिंग तो की जा रही है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा ऐसे वाहनों को नजर अंदाज किया जा रहा है जो वर्षो से बगैर नम्बर प्लेट के दौड़ रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ट्रेक्टर क्षेत्र में रेत, मुरूम का अवैध उत्खनन लगातार हो रहा है, एक तरफ जहां कभी कभी विभाग द्वारा इस ओर कार्रवाई की जा रही है, वही अवैध उत्खनन करने वाले अपने उत्खनन के दौरान अधिकांशत रेत कोरोबारी उन ट्रेक्टरों को उपयोग में ला रहे है जिनमें नम्बर नही लिखा हुआ है, इस प्रकार से बगैर नम्बरों के टेक्ट्ररों से ढुलाई कराने के चलतें जहां एक तरफ राजस्व को लाखों का नुकसान हो रहा है। वहीं इस पर अभी तक आर टी ओ विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नही किये जाने कारण इन टेक्टर वालों के हौसले बुलंद है, क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से सैकड़ो ऐसे ट्रेक्टर बगैर नम्बर चल रहे है, जिनमें देखा जावे तो अधिकांश अवैध उत्खनन के कार्य में संलिप्त है?

आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु शिविर 8 से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। 8 जुलाई को जिले के नगर पालिका गाडरवारा के गांधी वार्ड व राजेन्द्र बाबू वार्ड, नगर पालिका नरसिंहपुर के नेहरू वार्ड व शंकर वार्ड, नगर पालिका करेली के अम्बेडकर वार्ड व गणेश वार्ड, नगर पालिका गोटेगांव के आजाद वार्ड व बजरंग वार्ड, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड एक भगत सिंह वार्ड व वार्ड दो बाल गंगाधर तिलक वार्ड, नगर परिषद चीचली, नगर परिषद सालीचैका और नगर परिषद सांईखेड़ा के वार्ड एक व वार्ड दो में शिविर लगाए जाएंगे। इसी तरह 8 जुलाई को जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत अम्हेटा, आमगांवबड़ा, अमथनू, बघुवार व बम्हनी, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत आलोद, अमोदा, बबरिया, बचई व बडगुवा, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत आड़ेगांव, जमाड़ा, अर्जुनगांव, बाबईकला व बाबई खुर्द, जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत अकोला, आंखीवाड़ा, अतरिया, बढ़ैयाखेड़ा व बगासपुर, जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत आड़ेगांव, अजंदा, आमगांव छोटा, बगदरी व बम्हौरी और जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत अजंसरा, अंडिया, अट्ठाइसा, बम्होरी व बंधा में शिविर लगाए जाएंगे। जारी आदेश के मुताबिक शिविर के दौरान प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत 18 वर्ष से 40 वर्ष की आयु के बीच पात्र हितग्राहियों का पंजीयन किया जाएगा, जिसकी मासिक आय 15 हजार रुपये या उससे कम होनी चाहिए। उक्त पंजीयन ग्राम पंचायत सचिव द्वारा किया जाएगा। साथ ही संबल कार्ड एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल कार्ड के लंबित आवेदनों का पंजीयन भी किया जाएगा। शिविर के दौरान नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों का शत प्रतिशत ई-केवायसी की जाएगा। डुप्लीकेट, मृतक व स्थाई पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम काटे जाएंगे। पटवारी के माध्यम से किसानों का यूनिक फार्मर आईडी के तहत फार्मर पंजीयन किया जाएगा। आधार कार्ड में आवश्यक सुधार (अपडेशन) का कार्य पोस्टमैन के माध्यम से किया जाएगा। आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित आजीविका मिशन के द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के फार्म भरवाए जाएंगे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जिले में सभी गतिविधियों के लिए अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही शहरी क्षेत्र के लिए नगर पालिका नगर परिषद अधिकारी और ग्रामीण क्षेत्र में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

ई-केवायसी हेतु शिविर होंगे आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में विभिन्न योजनाओं के लाभों से कोई हितग्राही वंचित न हो तथा विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी व समग्र ई-केवायसी लंबित न रहे, इसके लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के आदेश पर जिले में शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक वार्डों और ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के एक दिन पूर्व शहरी क्षेत्र में वार्ड प्रभारी, आशा कार्यकर्ता व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वार्ड भ्रमण कर और पंचायतों में सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व पटवारी ग्राम भ्रमण कर वंचित परिवारों से सम्पर्क कर आवश्यक दस्तावेज सहित शिविर में आने के लिए आग्रह करेंगे। शिविर दिवस को सभी आवश्यक पंजीयन सेचुरेशन मोड़ पर पूर्ण किया जाएगा। शिविर की जानकारी नागरिकों को दो दिवस पूर्व डोंडी पीटकर या लाउड स्पीकर के माध्यम से दी जाएगी।